ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 28 अंकः 41 बुलेटिन अवधिः : 22 – 26 मई, 2019 दिनः मंगलवार दिनाँकः 21 मई, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	22/05/2019	23/05/2019	24/05/2019	25/05/2019	26/05/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	1	0	1
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	39	39	39	39	39
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	22	23	23	22	23
बादल आच्छादन	आंशिक बादल	आंशिक बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	75	75	75	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	35	35	35	40	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	008	008	008	010	010
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (14 – 20 मई, 2019) में 0.0 मिमी वर्षा होने के साथ कही–कही बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 35.0 से 39.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 18.9 से 23.3 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 53 से 74 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 16 से 47 प्रतिशत एवं मुख्यतः पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
उर्द, मूंग और लोबिया	–	उर्द, मूंग और लोबिया की फसल मे आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। फलियो की तुड़ाई के बाद फसल को खेत में पलट दें ताकि ये खेत मे हरी खाद का काम करें।
बसंतकालीन मक्का	बढ़वार	नमी कम होने पर सिंचाई करें। पर्ण छेदक कीट के नियंत्रण हेतु मोनोक्रोटोफॉस का 625 मिली0/है0 की दर से छिड़काव करें।
लोबिया व फ्रासबीन	–	लोबिया व फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
ढ़ैचा, सनई	बुवाई	अगर सिंचाई की सुविधा है तो गेंहूँ एवं अन्य रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत में हरी खाद हेतू ढ़ैंचा तथा सनई की बुवाई करें।
कद्दू वर्गीय सब्जियॉ	बढ़वार–फलत	कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्तियो मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। पत्तियो पर अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर, मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
टमाटर व मिर्च	–	टमाटर व मिर्च की फसल मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। श्याम वर्ण रोग के प्रकोप से बचाव हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।
प्याज	–	प्याज मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु टेबुकोनाजोल या डिफिनोकोनाजोल या प्रोपीकोनाजोल का 500 मिली0 प्रति है0 की दर से किसी सर्वांगी कीटनाशी का स्टीकर के साथ मिलाकर छिड़काव करे।
आम	–	आम मे बैक्टीरियल कैंकर की सम्भावना होने पर 200 पी पी एम स्ट्रैप्टोसाइकलिन (200 मिलीग्राम/लीटर) का छिड़काव करें। आम के बाग में डांसी मक्खी के लिए काष्ठ निर्मित यौन गंध ट्रैप को पेड़ पर लगाना चाहिए (10 ट्रैप/है0)। यौन गंध ट्रैप को दो माह में बदल देना चाहिए। कोयलिया और आन्तरिक विगलन के नियंत्रण के लिए 1.0 प्रतिशत (10 ग्रा0/ली0) बोरेक्स का छिड़काव करना चाहिए। आवश्यकतानुसार उचित नमी बनाये रखने हेतु सिंचाई करते रहे।
पशुपालन	–	गर्मी से बचाने हेतु पशुओं को संतुलित आहार जिसमें सभी पोषक तत्व प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण तथा विटामिन्स उचित मात्रा एवं उचित अनुपात में उपस्थित हों, देवें। सूखे चारे के साथ हरा चारा एवं दाना अवश्य दें। इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूर पिलाये।

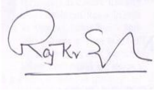

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो. ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर